अध्याय–14

हिन्दी का प्रगामी प्रयोग

इस्पात मंत्रालय

राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2004.05 के दौरान इस्पात मंत्रालय ने सरकारी कार्य में हिन्दी का और अधिक प्रयोग करने के प्रयास जारी रखे। मंत्रालय में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित कार्य संयुक्त सचिव के प्रशासनिक निमंत्रण में है और इसकी देखरेख निदेशक द्वारा की जाती है। हिन्दी अनुभाग में एक संयुक्त निदेशक, एक सहायक निदेशक, एक वरिष्ठ अनुवादक, तीन कनिष्ठ अनुवादक और एक अपर श्रेणी लिपिक है।

मंत्रालय के सभी कम्प्युटर में हिमाषिया सुविधा है। मंत्रालय के पुस्तकालय में हिन्दी में पर्याप्त पठनीय सामग्री उपलब्ध है। इस्पात मंत्रालय में और मंत्रालय के प्रशासनिक निमंत्रणधारी सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं। इन उपायों का ब्यौरा निम्नानुसार हैः–

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

मंत्रालय में संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति है। पर समिति मंत्रालय तथा इसके अधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में हिन्दी के प्रयोग में हुई प्रगति की समीक्षा करती है। समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। 31 दिसम्बर 2004 तक इस समिति की तीन बैठकें आयोजित की गईं।

हिन्दी सलाहकार समिति

इस्पात राज्य मंत्री की अध्यक्षता में मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का पुनःर्गठन 30.11.2004 को किया गया था।

राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) का कार्यान्वयन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुशरण में राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत आने वाले लगभग सभी दस्तावेज हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किए जाते हैं। राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए और 'क' 'ख' और 'ग' क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों को हिन्दी में पत्र भेजना सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय में जाम–बिन्दु बनाए गए हैं।

राजभाषा शील्ड/ट्राफी

इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों और कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंत्रालय द्वारा एक इस्पात राजभाषा शील्ड (प्रथम पुरस्कार) तथा एक इस्पात राजभाषा ट्रॉफी (द्वितीय पुरस्कार) और एक इस्पात राजभाषा ट्रॉफी (तृतीय पुरस्कार) प्रदान की जाती है। 'ग'

कार्यशाला
हिन्दी कार्यशाला
हिन्दी कार्यशाला का उद्घाटन

क्षेत्र में स्थित सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों को पृथक से एक शील्ड प्रदान की जाती है। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष हिन्दी में किए गए कार्य के वार्षिक निष्पादन के आधार पर कार्यालय/उपक्रमों को दिए जाते है। इसके अतिरिक्त मंत्रालय में हिन्दी में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारी को पदक से सम्मानित किया जाता है।

मूल कार्य हिन्दी में करने के लिए प्रोत्साहन योजना

मूल कार्य हिन्दी में करने पर राजभाषा विभाग द्वारा लागू की गई नकद प्रोत्साहन योजना मंत्रालय में भी चलायी जा रही है।

हिन्दी में श्रुतलेख नकद पुरस्कार योजना

मंत्रालय में अधिकारियों द्वारा हिन्दी में श्रुतलेख देने संबंधी एक प्रोत्साहन योजना चल रही है।

हिन्दी में मौलिक पुस्तकें लिखने पर पुरस्कार

इस्पात उद्योग तथा इससे संबंधित विषयों पर हिन्दी में तकनीकी पुस्तकें लिखने के लिए नकद पुरस्कार देने की भी एक योहना इस मंत्रालय में चलाई जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कारों के लिए परस्कार की राशि क्रमशः 15000/–, 10,000/– और 7500 रूपये है।

हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा

मंत्रालय के अधिकारियों/कर्मचारियों को सरकारी काम में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए 14 सितम्बर 2004 को माननीय राज्यमंत्री ने एक अपील जारी की। 14 सितम्बर से 28 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताएं और हिन्दी कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड

कम्पनी भारत सरकार की राजभाषा नीति को कार्यान्वित करने का प्रयास करती रही। एक ऐसा वातावरण सृजित करने पर बल दिया गया जिसमें कर्मचारी अपने कार्यालय संबंधी कार्य में स्वैच्छा से हिन्दी अपनाए। सेल को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कार निष्पादन के लिए शील्ड और कम प्रदान किए गए। राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) ने निगमित कार्यालय, आरएमडी, डीएसपी, बीएसएल, आरएसपी, आरडीबीआईएस तथा शाखा विक्रय कार्यालय पसा को उनके निष्पादन के लिए पृथक–पृथक रूप से पुरस्कृत किया गया। कम्पनी की हिन्दी गृह पत्रिका (इस्पात भाषा भरती) को दिल्ली सरकार तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति दिल्ली द्वारा प्रथम पुरस्कार दिया गया। आरडीसीआईएस रांची द्वारा हिन्दी में एक उच्च स्तरीय तकनीकी सम्मेलन आयोजित किया गया।

इंडियन आयरन एंड स्टील कम्पनी लिमिटेड

वर्ष के दौरान कम्पनी सरकार की राजभाषा नीति को कड़ाई से कार्यान्वित करती रही। कार्यालय का कार्य हिन्दी में करने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया तथा उदार प्रोत्साहन दिया गया।

'हिन्दी देश की एकता की कड़ी है' – डा. जाकिर हुसैन
हिन्दी दिवस
14 सितम्बर

हिन्दी पखवाड़ा दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

हिन्दी पखवाड़ा दिवस पर पुरस्कार वितरण

गुआ और माइन्स में राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया गया जिसमें ऐसे 21 बच्चों को हिन्दी छात्रवृत्ति दी गई, जिनके माता–पिता हिन्दी बोलना नहीं जानते थे। ये पुरष्कार बच्चों को स्कूल की परीक्ष में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया। कर्मचारी अपने कार्य को हिन्दी में कर सके इसके लिए 2003–04 के दौरान हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड

वर्ष के दौरान प्रधान कार्यालय में राजभाषा तकनीकी और हिन्दी कार्यशाला का अयोजन किया गया था। राजभाषा तकनीकी पर पुस्तक भी प्रकाशित की गई थी जोकि हिन्दी भवन पत्रिका के अलावा थी।

एमएमडीसी को कई बार हिन्दी को कार्यालय की भाशा के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए इंदिरा गांधी अवार्ड से नवाज़ा जा चुका है। इसे नौ बार यह पुरस्कार मिल चुका है। इस्पात मंत्रालय भी हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए एमएमडीसी को नौ बार प्रथम पुरस्कार दे चुका है।

कर्मचारियों को हिन्दी भाषा का प्रशिक्षण दिया जाता है और 80: से अधिक कर्मचारी को कार्यालय भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग करना सीख गए हैं। कर्मचारियों में हिन्दी के प्रति जागरूकता लाने के लिए अप्रैल 2004 से दिसम्बर 2004 के बीच अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मैगनीज़ ओर इंडिया लिमिटेड

हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग के लिए कम्पनी के निगमित कार्यालय में महाप्रबंधन (कार्मिक) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यरत हिन्दी कक्ष द्वारा प्रभावी उपाय किए गए हैं। हिन्दी के प्रयोग को सभी स्तरों पर प्रोत्साहित करने के लिए 14 सितम्बर से आयोजित किए जाने वाले ''हिन्दी पखवाड़े'' के दौरान अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं और विजेताओं को उपयुक्त पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। जो कर्मचारी हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त नहीं है उन्हें हिन्दी सीखने के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कम्पनी के 80: से अधिक कर्मचारियों को हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।

लगातार 10 वर्षों तक चल–वैजयंती पुरस्कार प्राप्त करने पर चल–वैजयंती स्थाई रूप से कम्पनी को दे दी गई है। वर्ष 2001–2002 के लिए 'ख' क्षेत्र के सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के लिए कम्पनी को सह–शताब्दि शील्ड प्राप्त हुए। वर्ष 2002–03 में कम्पनी को इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।